शिव ॐ साई
प्रकाशन

SHIV OM SAI PRAKASHAN
95/3 Vallabh Nagar, Indore-03 (M.P.) India T: +91 731 4225754, 2530217

3 माह में 3 देशों में भारत की गरिमा बढ़ाती काशी मरणान्मुक्ति

05 अप्रेल, कोलम्बो, काशी मरणान्मुक्ति पुस्तक के लेखक श्री मनोज ठक्कर को श्रीलंका प्रधानमंत्री श्री डी. एम. जयरत्ने द्वारा सम्मान एवं शुभशंसा| हिंदी भाषा में रचित काशी मरणान्मुक्ति मनोज ठक्कर एवं रश्मि छाजेड़ की अनुपम कृति है जो काशी के रहस्यों को इस प्रकार प्रस्तुत करती है कि स्व का वास्तविक अर्थ उघाड़ते हुए जीव, शिव को पा जाता है| जिस अकल्पनीय परिस्थिति में श्रीलंका के प्रधानमंत्री श्री रत्ने ने पुस्तक काशी मरणान्मुक्ति के लेखक मनोज ठक्कर एवं यु डब्ल्यू सी परिवार का भाव विगत सम्मान किया वह अतुलनीय है| विगत 5 दिवसों से अस्थमा (दमा) के इलाज हेतु वे अस्पताल में थे और आज प्रातः ही लौटे थे| डॉक्टर के निर्देशों के बावजूद उन्होंने लेखक एवं सभी सदस्यों के साथ 2 घंटो तक सम्पूर्ण विश्व की चर्चा की| श्री रत्ने का कहना था कि कई वर्षों से पश्चिमी देश पूर्वी देशों को व्यवसायिक लाभों के लिए आपस में बाँटने कि कोशिश कर रहे, परन्तु हम अब भी अपनी संस्कृति की ताकत पर आज भी नहीं टूटे है और आगे भी नहीं टूटेंगे|

पुस्तक काशी मरणान्मुक्ति को देख और लेखक से इसका भाव समझ, भावुक होते बोल उठे कि ऐसा साहित्य ही हिन्दू, मुस्लिम, बौद्ध आदि धर्मों कि एकता का प्रतीक बनता संस्कृति के द्वार खोलता है| ऐसा समृद्ध साहित्य ही हम पूर्वीवासियों कि आत्मा है और प्राण भी, जिसके संबल को कोई नहीं हिला सकता है| यह हमारी सांस्कृतिक समृद्धि का ही प्रभाव है कि आने वाले वर्षों में चीन और भारत जैसे देश अमेरिका जैसे विकसित देशों को पीछे छोड़ देंगे| आज श्रीलंका में जिस तरह विभिन्न धर्म के लोग इस छोटे से देश में शांति एवं समृद्धि के साथ रह रहे है, उस तरह यदि सभी पूर्वी देश इस एकता को अपना ले तो हमें सोवियत संघ की तरह कोई नहीं बाँट सकता| यह एकता सांस्कृतिक एकता पर आधारित है और सांस्कृतिक एकता काशी मरणान्मुक्ति जैसे समृद्ध साहित्य के पठन पर| लेखक श्री ठक्कर का सम्मान करते हुए उन्होंने श्रीलंका की संस्कृति पर आधारित पुस्तक भेंट की और साथ ही यूनाइटेड वर्क्स कोर्पोरेशन (यु डब्ल्यू सी) के सभी सदस्यों को आमंत्रित करते हुए कहा कि इस देश में फ़ूड प्रोसेसिंग और वेल्थ मेनेजमेंट करने की बहुत आवश्यकता है और आप जैसे युवाओं के लिए इन क्षेत्रों में इस राष्ट्र के द्वार सदा खुले है|

श्री ठक्कर को हाल ही में मोरिशियस के राष्ट्रपति सर अनिरुद्ध जगन्नाथ एवं नेपाल के राष्ट्रपति डॉ रामबरन यादव द्वारा भी राजकीय सम्मान दिया गया था| श्री जगन्नाथ का कहना था कि काशी मरणान्मुक्ति केवल एक उपन्यास न रह कर अब एक ग्रन्थरूपी महाकथा बन हर भारतीय के लिए एक संदेश बन गया है वहीँ डॉ यादव का मानना है कि यह पुस्तक भारतीय दर्शन की विश्व में धरोहर है| श्री ठक्कर इन सम्मानों को उनके गुरु शिर्डी साई बाबा का अनुग्रह मानते है और इस पुस्तक को गुरुप्रसाद|